माखौउँ कौइ बीमार औयैण

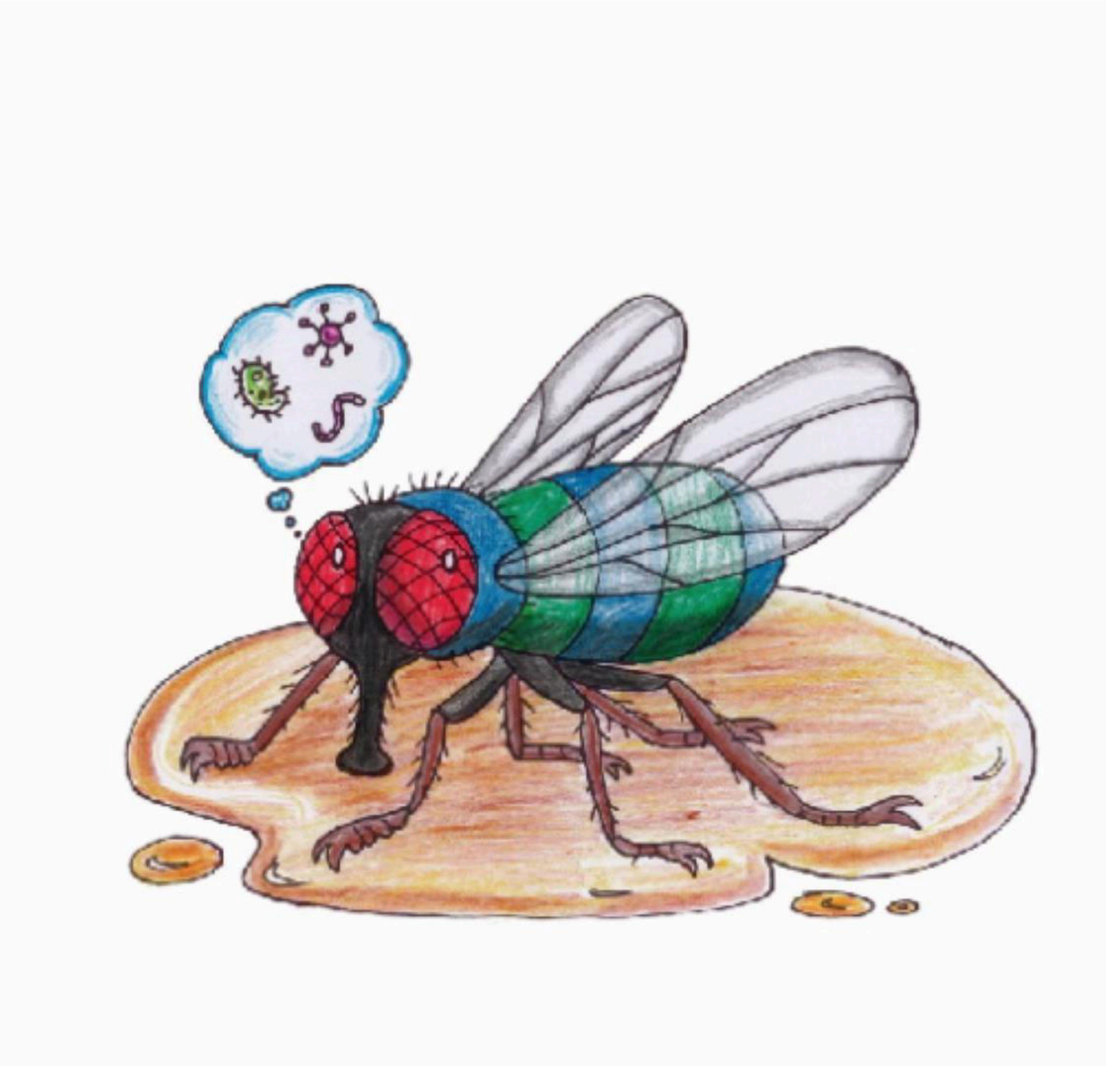

माखौऊँ कौइ बीमार औयैण

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

Copyright © 2025, NLCI

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

This book is an adaptation of the original, *Flae Hem i save Givim Sik blong Yumi*, Copyright © 2022, Ministry of Education and Training, Port Vila, Vanuatu CC BY NC SA. Licensed under CC BY-NC-SA 4.0.

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बढ़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥

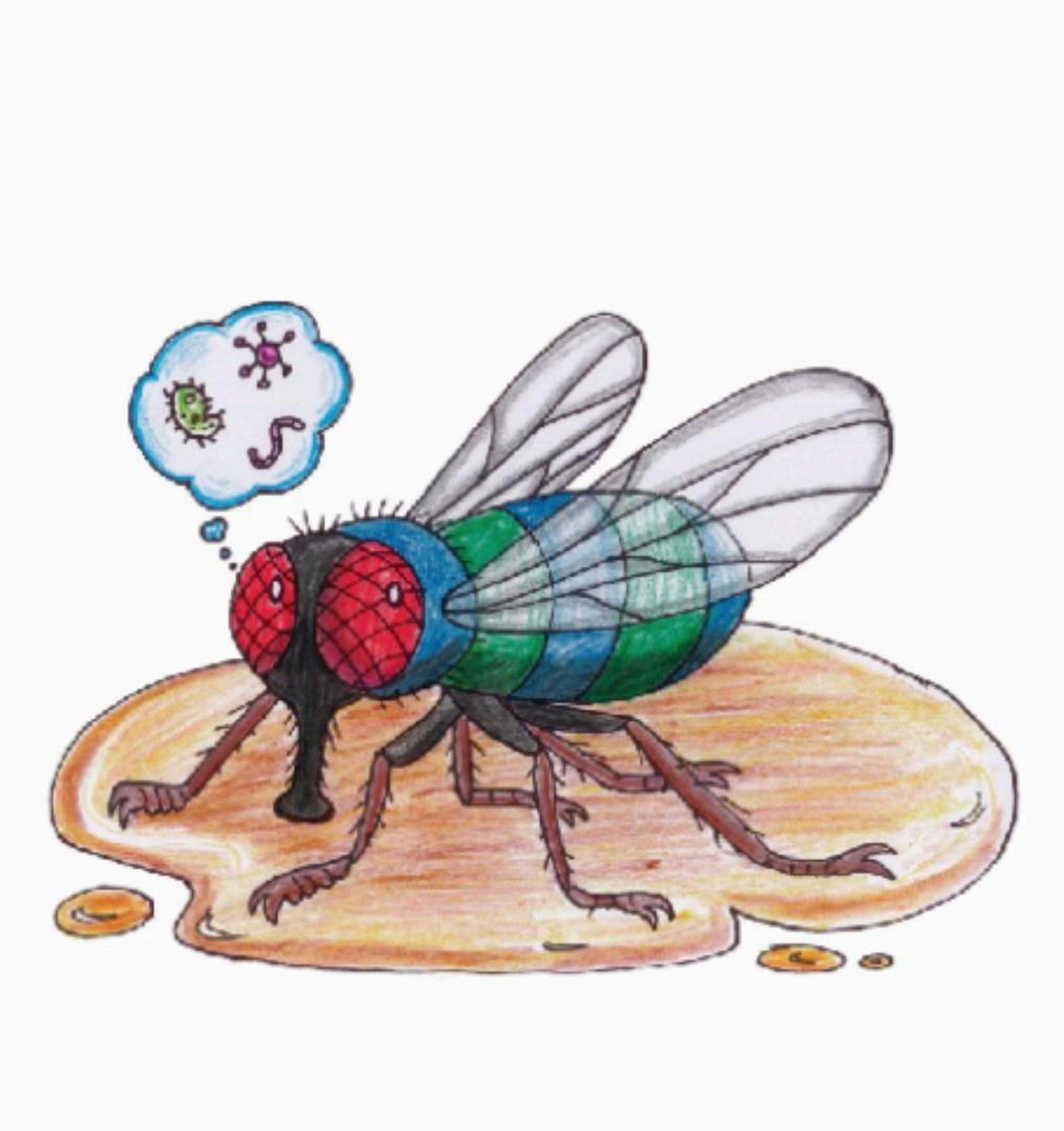

माखौ एक छ़ोटौ ज़ाईं किड़ौ औयै, माखै रै छ़ौ बांगणै औयैण। औज़ि तेसरी दुइ आखै औयैण।

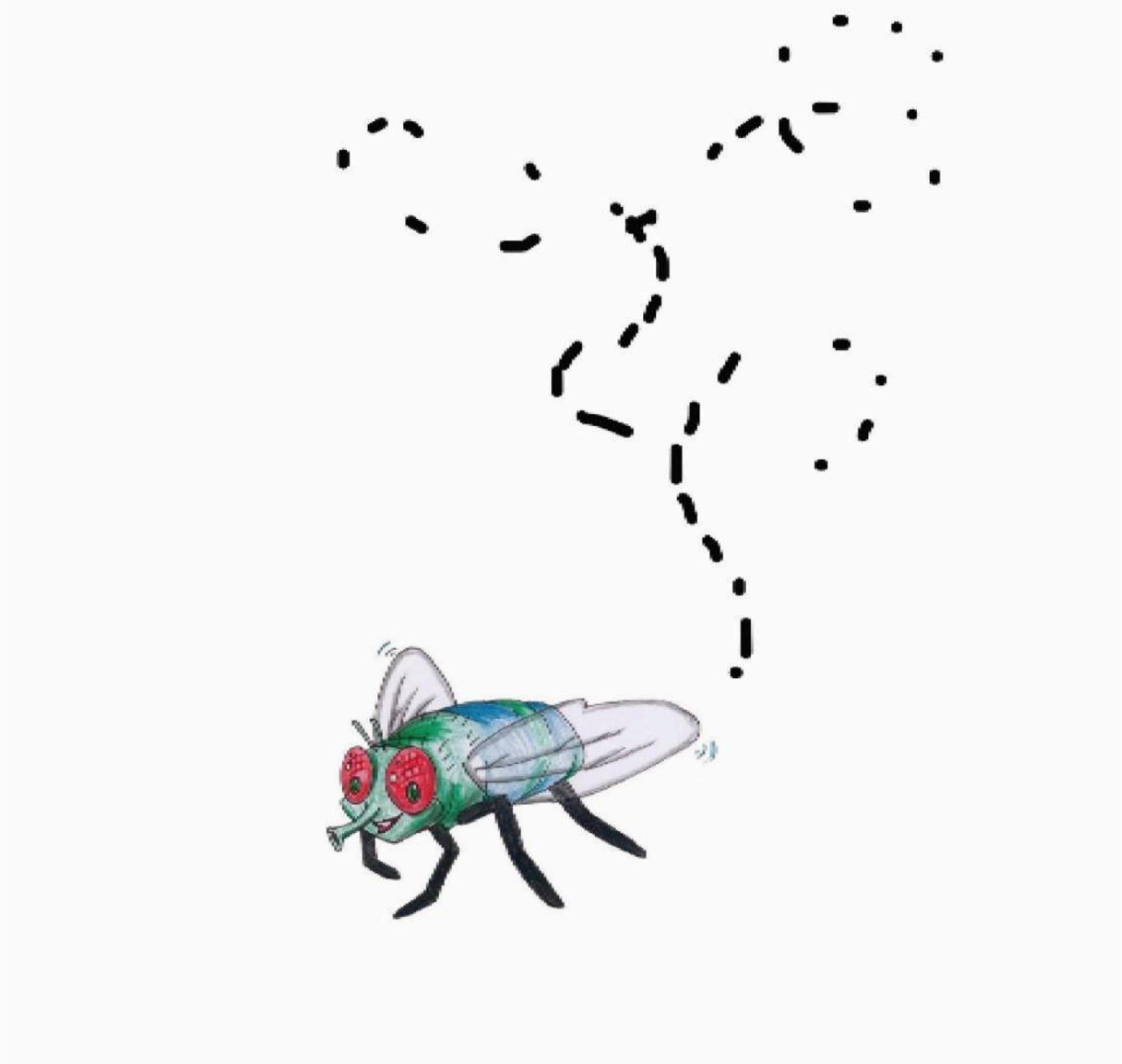

माखौऊँ रै दुइ पाखै औयैण, सै

हर एक ज़ागा उड़ियाइ

सौकैण, औज़ि ऐ दुनिया दि

हर ज़ागा दि मिलैण।

माखै हर एक ज़ागा दि मंडरायैण, एज़ि बौज़ै कौइ सारौ कुछ़ बौरबाद दैण कौरी।

ज़ौ आमैं पौड़ाइ कौरिण तेत्रा बी सै आमु पौरेशान कौरदै आयैण।

माखौउँ कै आमारै गाऽउ

बौड़िया लागैण, सै तेस गाऽउ

माइं बोशियौ तेस औज़िपै

बौड़ौ कौरैण।

मारवै औरकेथिकै गान्दै माइं बोशैण, तेतबासियै सै गौरुंदि आइयौ खाणै माइं बोशियौ बीमारी फैलाण।

माखौउँ री बौजै कौइ आमारै शौरीर दि बौरी बीमारियै आशौण।

मारवौउँ री फैलाइयौन्दि
बीमारिउँ कौइ बौच़णैखि,
आमुं खाणेइ बौड़िया कौइ
डोकियौ थौणै च़ाइं।

सवाल

1. माखै केती पौरकार रै औयैण ?

2. सारिउँ कौइ ज़ादा आखै केत्कै मिलैण ?

3. माखौउँ कौइ कुण्ज़ी कुण्ज़ी बीमारी औयैण ?

4 माखौउँ कै सारिउँ कौइ बौड़िया ज़ागा कुण्ज़ी लागै?

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।
हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते है। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागो में शिक्षा देते है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सके। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सके।
हम जानते है कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते है। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगो के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है। उसे उन्ही की मात्रभाषा में तैयार करते है। जिससे उन्हे पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।
हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नही चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगो के लिये तथा बच्चो के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्ही की मात्रभाषा में उपलब्द कराते है। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें ओर हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।
,,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,

Made with Bloom